

सम्पादकीय

जी-20 में अफ्रीकी संघ

राजधानी दिक्षिण में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन में भारत ने कुछ अभूतपूर्व, ब्रिटिश और कूटनीतिक सफलताएं हासिल की हैं। सम्मेलन की शुरुआत के बाद मिनट में ही प्रधानमंत्री मोदी ने 'अफीकी संघ' को जी-20 का स्थायी सदस्य ने का प्रताव सर्वसमति से पारित करा लिया। यही नहीं, संघ के अध्यक्ष ताली असौमानी को अपना स्थान ग्रहण करने को आमंत्रित भी किया। वह इंग्रजी और प्रधानमंत्री मोदी से गले मिले और फिर स्थान ग्रहण किया। यकीन ऐसा क्रांतिकारी निर्णय था कि एक साथ 55 अफीकी देश झूम उठे होंगे, जिनकी हाशिए से उकर वैश्विक मुख्यधारा का हिस्सा बनने का उहँवे अवसर आया है। अब तीसरी दुनिया अथवा ग्लोबल साउथ का एक हिस्सा विश्व की अनियन्त्रित तथा सबसे तेज अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों से जुड़ेगा। ज्ञातावर अफीकी गरीब, पिछड़े, बीमार, कृपेषित और भुखमरी के शिकार रहे हैं। कुछ देश थेंक विकास के रास्ते पर आगे बढ़ने लगे थे, लेकिन कोरोना महामारी ने बहुत अधिक ध्वस्त कर दिया। चीन ने इन देशों की दुरावस्था का नाजायज फायदा उठाया हालांकि उसका निवेश 300 अरब डॉलर से अधिक का है। वह 9 अफीकी देशों के अंतरिक्ष कार्यक्रम में भी मदद कर रहा है। करीब 10 हजार कंपनियां भग-अलग अफीकी देशों में कार्यरत हैं, लेकिन अफीकी देश महसूस करते हैं कि वे चीन के कर्ज तले दबे हैं, लिहाजा उससे मुक्त चाहते हैं। भारत उनके लिए 'परमूत' साबित हो सकता है। वैसे भी भारत अफीकी देशों में 197 परियोजनाएं अन्न कर चुका है। अब भी भारत की 182 से अधिक परियोजनाएं जारी हैं।

भारत ने अपनी जी-20 अध्यक्षता के तहत आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर जी-20 कार्य समूह के अंतर्गत देशों के 25,000 से ज्यादा छात्र भारत में पढ़ते हैं।

आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर जी-20 समूह समावेशी कदम

कमल किशोर और सुसान फर्नैसन

विश्व भर में व्यापक स्तनर पर जीवन, आजीविका और अवसरचना पर सुनामी और भूकंप जैसे भू-पौत्रिकीय जोखिमों और लगातार बढ़ते तीव्र चरम जलवायु और मौसम की आपदाओं का खतरा बना हुआ है। एक दूसरे से जुड़ी दुनिया में, कोई भी देश और कोई अर्थव्यवस्था इससे अद्यूती नहीं है। इन बढ़ते खतरों को आपदाओं में बदलने से रोकने के लिए लिविंग समाधान और अभूतपूर्व वैश्विक सहयोग की आवश्यकता है।

भारत ने अपनी जी-20 अध्यक्षता के तहत आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर जी-20 कार्य समूह में आपदा जोखिम प्रबंधन में महिलाओं के नेतृत्व पर जोर दिया जा रहा है। वर्ष 2019 में, भारत के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना को संशोधित किया ताकि कई जेंडर-उत्तरदायी उपायों को शमिल किया जा सके। इनमें आपदा के बाद पुनर्निर्माण कार्यक्रमों के तहत निर्मित घरों को परिवारों के पुरुष और महिला दोनों प्रमुखों के नाम पर संयुक्त रूप से पंजीकृत करना - और यह देखें हुए कि आपदा के बाद पुनर्निर्माण को इस तरह से नए सिरे से निर्माण का अवसर प्रदान किया जाना चाहिए, जो महिलाओं और लड़कियों के लिए समावेशी हो और महिलाओं को नेतृत्व की भूमिका निभाने के अवसर प्रदान करता हो, शामिल है।

आपदा जोखिम न्यूनीकरण और अनुकूलता में महिलाओं की भूमिका: आपदा जोखिम में कमी लाने के लिए महिलाओं की प्रौद्योगिकी, ज्ञान और संस्थागत क्षमता जुटाने के लिए प्रोत्साहित करके समावेशी आपदा जोखिम कटौती पर वैश्विक कार्बाई को आगे बढ़ाने में मदद की है। इन संसाधनों का प्रभावी ढंग से लाभ उठाने के लिए पहला वित्त कदम आपदा पूर्व और बाद की दोनों स्थितियों में जेंडर, आयु और विकलांगता के अलग-अलग डेटा संग्रह और जेंडर-उत्तरदायी सामाजिक-अर्थिक आकलन की क्षमता के साथ-साथ आपदा जोखिम के बाहकों के बीच संबंधों की सूक्ष्म समझ होती है। इसके अतिरिक्त, स्थानीय स्तर पर इन प्रयासों को नेतृत्व करने के लिए महिलाओं को प्रशिक्षित करने से न केवल प्रचलित सामाजिक मानदंडों के अनुसार डेटा एकत्र करने में मदद मिलेगी, बल्कि स्थानीय जोखिम और अनुकूलता की प्रकृति के बारे में



<p>भ्रष्टचार एक ऐसा नैतिक संकट है जो शासन के विभिन्न संघर्षों की धमकी या उनका इस्तेमाल भी अस्वीकार्य है। किसी भी देश संप्रभुता, अखंडता पर बल-प्रयोग न किया जाए।</p>	<h2>भ्रष्टचार विरोधी पहल की मुख्यधारा में लैंगिक समानता का समावेश</h2> <p>लैंगिक भेदभाव पर आधारित भ्रष्टचार सावर्जनिक व आवश्यक सेवाओं को प्रभावित करता है, जिससे महिलाओं का जीवन और कल्याण खतरे में पड़ जाता है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, राजनीति एवं कई अन्य क्षेत्रों में हम पुरुषों और महिलाओं के बीच असमानता भरा व्यवहार देखते हैं। डब्ल्यू 20, जी 20 का एक आधिकारिक सहभागिता समूह (एंजेजमेंट ग्रुप) है।</p>
<p>भ्रष्टचार एक ऐसा नैतिक संकट है जो शासन के विभिन्न संघर्षों की धमकी या उनका इस्तेमाल भी अस्वीकार्य है। किसी भी देश संप्रभुता, अखंडता पर बल-प्रयोग न किया जाए।</p>	<h2>भ्रष्टचार विरोधी पहल की मुख्यधारा में लैंगिक समानता का समावेश</h2> <p>लैंगिक भेदभाव पर आधारित भ्रष्टचार सावर्जनिक व आवश्यक सेवाओं को प्रभावित करता है, जिससे महिलाओं का जीवन और कल्याण खतरे में पड़ जाता है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, राजनीति एवं कई अन्य क्षेत्रों में हम पुरुषों और महिलाओं के बीच असमानता भरा व्यवहार देखते हैं। डब्ल्यू 20, जी 20 का एक आधिकारिक सहभागिता समूह (एंजेजमेंट ग्रुप) है।</p>

भ्रष्टाचार विरोधी पहल की मुख्यधारा में लैंगिक समानता का समावेश

पारामा पट्टमाला

भ्रष्टाचार के विभिन्न स्तरों को खोखला कर देता है, लेकिंस को बाधित करता है और जनता के विवाह संबंधों को खोखला कर देता है। लंबे समय से भ्रष्टाचार को लैंगिक दृष्टि से नियंत्रण विषय के अनुरूप में देखा जाता रहा है, लेकिं इधर इस तथ्य को अवाज दबा दी जाती है और उनकी जरूरतों को अवसर नजरअंदाज कर दिया जाता है तो पारदर्शित एवं जवाबदेही का अभाव पैदा होता है।

लैंगिक भेदभाव पर आधारित भ्रष्टाचार सार्वजनिक व आवश्यक सेवाओं को प्रभावित करता है, जिससे महिलाओं का जीवन और कल्याण खतरे में पड़ जाता है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, राजनीति एवं कई अन्य क्षेत्रों में हम पुरुषों और महिलाओं के बीच असमानता भरा व्यवहार देखते हैं। डब्ल्यू 20, जी 20 का एक आधिकारिक सहभागिता समूह (एंजेमेंट ग्रुप) है। इस समूह का प्राथमिक उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि लैंगिक समानता के विचारों का आयोजन किया है। अगले तीन वर्षों में दस लाख महिलाओं एवं लड़कियों को प्रशिक्षित करने हेतु एक कार्यावाई-उम्मुख डिजिटल कौशल पहल भी शुरू की गई है। डब्ल्यू 20 ने महिलाओं के नेतृत्व में विकास से संबंधित प्रथम उत्तरदायी ढांचा और एक सार-संग्रह तैयार किया। डब्ल्यू 20 ने इक्कीस ज्ञान साझेदारों के साथ मिलकर काम किया है, जिनमें जमीनी स्तर के संगठनों से लेकर वैश्विक स्तर के परामर्शदाता शामिल हैं। भारत के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण और डब्ल्यू 20 के पहले के कार्यों के आधार पर निर्धारित किए गए पांच प्राथमिकताएँ क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर जिसमें दूरदराज के आदिवासी गांवों से लेकर शहरी इलाकों तक के जनजीवन के सभी क्षेत्रों से उत्तर-पश्चिमांश सम्पर्क स्थापित हैं।

जैसे कि प्रसिद्ध दर्शनिक श्री अरबंदो ने कहा है, बात नहीं, काम करो, दुनिया बातों से भरी पड़ी है लेकिन सार्थक काम बहुत कम हुए हैं। हमें विर्यास से परे जाकर भ्रष्टाचार मिटाने और महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु गोंध कदम उठाने की जरूरत है। डब्ल्यू 20 कुछ वैसी सिफारिशों को सुढूँ करने और उन पर जोर देने के लिए जी 20 सदस्यों के साथ अपनी सक्रिय भागीदारी जारी रखेगा, जिन पर जी 20 देशों की सरकारें व नागरिक समाज लैंगिक भेदभाव एवं भ्रष्टाचार के बारे में अपनी समझ को ठेस करने और अपने आपमें शामिल होने की उम्मीद है।

विकास, लोगोंके आनंदपूर्ण जीवन पर व्यापक अधिकारों का समर्पण करता है। इसके द्वारा, लोगोंके आनंदपूर्ण जीवन को सुनिश्चित बनाया जाता है।

भारत को बड़ी कामयाबी है 'जी-20' शिखर सम्मलेन की सफलता

आशंका थी कि रूस-यूक्रेन युद्ध के मुद्दे पर सर्व सम्मत निर्णय नहीं हो सकेगा। अमराका आर यूरोपटन दश चाहग, कि यूक्रेन हमले के लिए रूस को जिम्मेदार माना जाए। इसके लिए उसकी निर्दा की जाएँ। रूस और चीन का रुख इसके विपरीत होगा। भारत भी नहीं चाहता कि उसकी भूमि से उसके परंपरागत भित्र के विरुद्ध कोई निर्दा या उच्च कोई प्रस्ताव पारित न हो। भारत ने घोषणापत्र पर सर्व समर्थन बनाने के लिए पहल से ही काम शुरू कर दिया था।

83 पैराग्राफ चीन और रूस के साथ 100 प्रतिशत सर्वसम्मति से पारित किए गए थे। यह पहली दफा था कि घोषणा में कोई नोट या अध्यक्ष का सारांश शामिल नहीं था।

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने पत्रकारों का बताया कि गत वर्ष इंडोनेशिया में हुए सम्मेलन में अफ्रीकन यूनियन ने पीएम मोदी से आग्रह किया था कि उसे भी समूह का सदस्य बनाया जाए। इस पर पीएम मोदी ने उहें गांटी दी थी कि वे अफ्रीकन यूनियन को जी20 का सदस्य बनवाएं। अब पीएम मोदी ने वह गांटी पूरी कर दी है। जानकारों का कहना है, एयू को जी20 में सफल निर्णय नहीं हो सकेगा। अमेरिका



में सफल नहीं हो सकेगा। एयू के 55 देशों के प्राकृतिक संसाधन, चीन के प्रभाव में आने से बच जाएं।

आंशका थी कि रूस-यूक्रेन युद्ध के मुद्दे पर दी है। जानकारों का कहना है, एयू को जी20 सर्व सम्मत निर्णय नहीं हो सकेगा। अमेरिका

अशोक मधुप में खालिसान के समर्थन में चोरी छिपे तुलना में चोरी ही लिखे जा सके। मुंबई और दिल्ली की संसद में धूंसकर हमला करने वाले आतंकी बब ऐसी घटना करने की सोच भी नहीं पा रहे। शनिवार को जी20 शिखर सम्मलेन के पहले दिन जब नई दिल्ली डिक्टेरेशन के स्वीकार होने की स्थायी सदस्यता दिलाना आसान नहीं था। इस बाबत रूस और चीन का रूख कुछ अलग था। चीन को जी20 का विस्तार पसंद नहीं था। वजह, इससे ग्रोबल साउथ में उसका काढ़ प्रभावित होता है। करीब एक दशक से चीन का फोकस ऐसे देशों पर रहा है जो अमेरिका, ब्रिटेन या भारत के ज्यादा करीब नहीं हैं। ऐसे देशों को चीन उन समूहों का सदस्य बनवाने की कोशिश कर रहा है, जो और यूरोपियन देश चाहेंगे, कि यूक्रेन हमले के लिए रूस को जिम्मेदार माना जाए। इसके लिए उसकी निंदा की जाएँ। रूस और चीन का रूख इसके विपरीत होगा। भारत भी नहीं चाहता कि उसकी भूमि से उसके पंपरागत मित्र के विरुद्ध कोई निंदा या उत्तर कोई प्रस्ताव पारित न हो। भारत ने घोषणापत्र पर सर्व समर्थन बनाने के लिए पहल से ही काम शुरू कर दिया था। उसके शामिल नहीं था। घोषणापत्र के नींवें पहरे में लिखा था, हम इस बात की पुष्टि करते हैं कि जी20, अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिए एक प्रमुख मंच है। यह समूह भू-राजनीतिक और सुरक्षा मुद्दों को हल करने का मंच नहीं है। हालांकि हम स्वीकार करते हैं कि इन मुद्दों का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण परिणाम हो सकता है। भारत ने यह बात कह कर चीन और रूस, दोनों अध्यक्ष अजय बंगा ने जमकर तारीफ की है। बंगा ने कहा कि भारत ने जी20 की अध्यक्षता में दुनिया के लिए एक नया आयाम तय किया है। उहोंने इस बात की भी सराहना की कि भारत ने जी20 घोषणापत्र पर सभी देशों की आप सहमति आसनी से बना ली। एक न्यूज एंजेसी से बात करते हुए बंगा ने इस बात पर जोर दिया कि चुनौतियां हमेसा मौजूद रहेंगी, लेकिन भारत

जी घोषणा हुई, तो सम्मेलन को कवर करने आए गये और पत्रकार आश्वर्य चिकित रह गए। एक- दो ने जी यहां तक कह दिया कि अब दूसरे दिन के नियर्थम कवर के लिए रुकना बेकार है। किसी ने यह उम्मीद नहीं थी कि घोषणापत्र सर्वसम्मति द्वारा गठित हो गया। स्वीकार कर लिया जाएगा। जी20 घोषणापत्र ने सबसे बड़ी उपलब्धि यह थी कि इसके सभी उपके प्रभाव में हैं। भारत ने यहीं पर कूटनीतिक दांव चला और एयू (अफ्रीकन यूनियन)को जी20 का सदस्य बनवा दिया। चीन का प्रयास था कि वह अफ्रीकी संघ के देशों में भारी निवेश के माध्यम से अपने आर्थिक लक्ष्यों की पूर्ति करे। अब इन देशों के जी20 का सदस्य बनने पर अब चीन उन देशों का शोषण करने की साजिश

राजनीतिक इस पर सहमति बनाने में लगे थे। साझा घोषणा पत्र पर सभी देशों की सहमति इसलिए खास है, क्योंकि नवंबर 2022 में इंडोनेशिया समिट में जारी घोषणा पत्र में रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर सदस्य देशों के बीच सहमति नहीं बन पाई थी। तब रूस और चीन ने अपने आप को युद्ध के बारे में की गई टिप्पणियों से को सदस्य दे दिया। हालांकि चीन का कहीं नाम नहीं लिया। नई दिल्ली डिक्टेलेशन के 13वें पहरे में लिखा है, हम सभी राज्यों से क्षेत्रीय अखंडता और संग्रहमता को, अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के मुताबिक, बनाए रखने की अपील करते हैं। मानवीय कानून, सांति और स्थिरता की रक्षा करने वाली बहुपक्षीय प्रणाली सहित अंतर्राष्ट्रीय कानून

ने आप सहमति बनाकर दुनिया को रस्ता दिखाया है। बांगा ने कहा कि हर देश अपना फायदा देखता है, लेकिन मैंने इस सम्मेलन में जो मूढ़ देखा, उससे मैं आशावादी हूं। विश्व बैंक अध्यक्ष ने कहा कि यहां हर देश अपने राष्ट्रीय हितों का ध्यान तो दे रहा था, लेकिन दूसरे के विचारों को भी सुन रहा था।

भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गतिविधियों को तेजी से बढ़ाएगा: ईंपीसी इंडिया

कोलकाता: भारतीय इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रोमोशन काउंसिल इंडिया ने सोमवार (11 सितंबर) को कहा, जी 20 शिख सम्मेलन के दौरान प्रस्तुति भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गतिविधि एक गेम-चेंजर परियोजना साबित होगी और वैश्विक व्यापार, इंजीनियरिंग नियंत्रण को भारी गति देगी। ईंपीसी इंडिया के अध्यक्ष अरुण कुमार गोरेडिया ने कहा कि यह गतिविधि लचील बनाएगा। इस परियोजना का उद्देश्य भारत को समृद्ध और बद्राह बनाएगा।

